

---

Shri Bala Nirajanam

श्रीबालानीराजनम्

Document Information

---

Text title : bAlAnIrAjanam

File name : bAlAnIrAjanam.itx

Category : devii, dashamahAvidyA, devI, AratI

Location : doc\_devii

Proofread by : PSA Easwaran

Description/comments : bAlAsaparyA saparyAkrama-nAmAvalI-stotrAdisaNgrahaH

Latest update : March 21, 2020

Send corrections to : sanskrit@cheerful.com

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

---

November 22, 2022

*sanskritdocuments.org*

---

श्रीबालानीराजनम्



जय बाले त्रिपुरे जय बाले जय त्रिपुरे ।  
द्वेधा विधृतशरीरे शिवशक्त्याकारे ॥ १ ॥

अरुणकिरणनिभासे बहुकृतविश्वासे ।  
मौक्तिकशोभितनासे कमलमुकुलवासे ॥ २ ॥

निजशक्तिस्वविलासे दनुजकृतत्रासे ।  
शशिवदनाधरहासे भक्तार्पितरासे ॥ ३ ॥

इन्दुविराजितभाले करधृतजपमाले ।  
भक्तं रक्षसि बाले करपुस्तकजाले ॥ ४ ॥

इतराभशयशीले नाशितभवजाले ।  
रत्नविभूषितमाले खलजनकृतकाले ॥ ५ ॥


मुकुलाभस्तनभारे कण्ठार्पितहारे ।  
तारितभवाब्धिपारे श्रितमूलाधारे ॥ ६ ॥

कर्णारथकृतचारे जयसि निराकारे ।  
कामेश्यङ्गाधारे भक्तहृदयसञ्चारे ॥ ७ ॥


आदौ वाग्भवबीजे मध्ये क्लीम्बीजे ।  
अन्ते सुशक्तिबीजे क्रीडसि हृदि निर्बीजे ॥ ८ ॥

मञ्जीरध्वनिमण्डितमृदुतरशुभचरणे ।  
रमतां मम चित्तमिदं तव पूजनकरणे ॥ ९ ॥

तव नीराजनकरणं भवसागरतरणम् ।  
बाले भव मम शरणम् । बाले भव शरणम् ॥ १० ॥

——  
*Shri Bala Nirajanam*

pdf was typeset on November 22, 2022

——  
Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

